



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 21 फरवरी, 2023

कमला कस्तूरी

हाल ही में श्रीमती कमला कस्तूरी का नधिन हो गया। वह एक पर्यावरणवादी थीं जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण में अहम योगदान दिया और वे पर्यावरण सोसायटी, चेन्नई की संस्थापक भी थीं। वे कई पर्यावरण संरक्षण परियोजनाओं तथा कावेरी नदी को रंगाई कार्य करने वाले मलिन (Dyeing Units) से बचाने एवं नदी की सफाई के अभियान में शामिल थीं। उन्होंने कई वृक्षारोपण अभियानों में भाग लिया था और बूचड़खाने के खिलाफ जनहित याचिका (Public Interest Litigation- PIL) भी दायर की थी, जिसे रेड हलिस (सेंगुंदरम, तमलिनाडु) में प्रस्तावित किया गया था।

और पढ़ें... [कावेरी नदी और संबंधित विवाद](#)

संसद रत्न पुरस्कार

संसद रत्न पुरस्कार समारोह का 13वाँ संस्करण 25 मार्च, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। संसद रत्न पुरस्कारों की स्थापना डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सुझाव पर शीर्ष प्रदर्शन करने वाले सांसदों को सम्मानित करने के लिये की गई थी। उन्होंने स्वयं वर्ष 2010 में चेन्नई में पुरस्कार समारोह के पहले संस्करण का शुभारंभ किया था। अब तक शीर्ष प्रदर्शन करने वाले 90 सांसदों को सम्मानित किया जा चुका है। संख्या के संदर्भ में पुरस्कारों के शतक के निशान को पार कर 13वाँ संस्करण इतिहास में दर्ज हो जाएगा।

और पढ़ें... [संसद, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम](#)

वनिाइल क्लोराइड: मानव शरीर के लिये खतरा

हाल ही में पूर्वी फलिसितीन, ओहियो में पटरी से उतरने और जलने वाली कई ट्रेने कारों में प्रयोग होने वाला रसायन वनिाइल क्लोराइड मानव यकृत के लिये बेहद हानिकारक हो सकता है। यकृत रक्त से वषिकृत पदार्थों को हटाने के लिये शरीर का फिल्टर है। हेपेटोसाइट्स के रूप में जानी जाने वाली वषिष कोशिकाएँ दवाओं, शराब, कैफीन और पर्यावरणीय रसायनों की वषिकृतता को कम करने में मदद करती हैं तथा अवशषितों को उत्सर्जित करने के लिये भेजती हैं।

रसायन को यकृत कैंसर के साथ-साथ एक गैर-घातक यकृत रोग के कारण के रूप में जिसे TASH या वषिकृत-संबद्ध स्टीटोहेपेटाइटिस के रूप में जाना जाता है। वनिाइल क्लोराइड का उपयोग पॉलीवनिाइल क्लोराइड (PVC) का उत्पादन करने के लिये किया जाता है, जो पाइप के लिये उपयोग किया जाने वाला एक कठोर प्लास्टिक है, साथ ही कुछ पैकेजिंग, कोटिंग्स और तारों में भी उपयोग होता है।

भारत का पहला हाइब्रिड रॉकेट

हाल ही में नर्जी कंपनियों द्वारा भारत का पहला हाइब्रिड-साउंडगि रॉकेट तमलिनाडु के चेंगलपट्टू से लॉन्च किया गया। मार्टिनि फाउंडेशन ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंटरनेशनल फाउंडेशन और स्पेस ज़ोन इंडिया के सहयोग से डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल मशिन- 2023 लॉन्च किया है। संगठनों ने उल्लेख किया कि परियोजना में 5,000 छात्र शामिल थे। चयनित छात्रों ने एक छात्र उपग्रह प्रकषेपण यान (रॉकेट) और 150 PICO उपग्रह (1 कलिंगराम से कम द्रव्यमान वाले उपग्रह, आधुनिक लघुकरण तकनीकों के उपयोग से कार्यान्वित) अनुसंधान प्रयोग क्यूब्स कडज़ाइन एवं निर्माण किया, जिसे वभिन्न पेलोड शामिल थे। रॉकेट का उपयोग मौसम, वायुमंडलीय स्थितियों और वकिरिंग में अनुसंधान के लिये किया जा सकता है। हाइब्रिड रॉकेट इंजन एक बाइप्रोपेलेंट रॉकेट इंजन है जो दो अवस्थाओं में प्रणोदक का उपयोग करता है, आमतौर पर तरल और ठोस, जब प्रतिक्रिया किये जाने पर रॉकेट प्रणोदन के लिये उपयुक्त गैस उत्पन्न करता है। वर्ष 2022 में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी सटार्टअप सकाईरूट एयरोस्पेस ने भारत का पहला नर्जी तौर पर वकिसति रॉकेट वकिरम-S भेजा। यह एक सगिल-स्टेज स्पनि-स्टेबलाइज़्ड सॉलिड प्रोपेलेंट रॉकेट है जिसका वज़न लगभग 545 किलोग्राम है।

और पढ़ें... [भारत का अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र, वकिरम-एस](#)

